प्रवाह

प्रवाह

B I T S P I L A N I

पिलानी · 28 जनवरी 2009

अपोजी की आहट ......

क्या है नया इस बार ?

हर वर्ष की तरह इस बार भी दूसरे सेमेस्टर के आरम्भ होते ही अपोजी की तैयारियां ज़ोर शोर से शुरू हो गई हैं | हो भी क्यों न आखिर हमारा अपना यह प्रोद्योगिकी का महोत्सव देश भर में अपनी अलग पहचान जो रखता है | अतः इसके नाम के अनुरूप इसकी शान को कायम रखने के लिए यह ज़रूरी है की आयोजन में हम कोई भी कमी न रहने दे | इस बार का अपोजी पिछले सालो के मुकाबले और भी अधिक भव्य एवं उच्च स्तर पर होने वाला है | किस प्रकार से?? पेश हैं इस बार अपोजी के कुछ प्रमुख आकर्षण ..

मेहमानों की सूची में

डॉक्टर जॉन सी. माथेर

नासा के विश्वप्रसिद्ध खगोलशास्त्री

सन 2006 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित

इनका जन्म 1946 में वर्जिनिया में हुआ था | इनके परिवार में वैज्ञानिकों की भरमार थी अतः ये भी विज्ञान से अछूते नहीं रहे | इन बचपन से ही किताबें पढने का बहुत शौक था एवं कक्षा में पढने की अपेक्षा ये किताबों से पढ़ना बेहतर मानते थे | बचपन की स्कूल की पहली याद इनकी तब की है जब इन्होंने ध्यान दिया कि कॉपी के एक पूरे पन्ने पर आप गिनती लिख सकते हैं फ़िर भी कभी अंत नहीं आएगा | यहीं से इन्हें अनंत (infinity) का बोध हुआ | इनके पिता इन्हे डार्विन एवं गैलिलेओ की आत्मकथाये पढ़ कर सुनाते थे | जीवों के बढ़ने की प्रक्रिया को देख कर आप काफी अचंभित रह जाते थे | बचपन में आप कोर्ट में जाने का सपना भी देखते थे | भले ही इन्हें बचपन में विज्ञानं की बहुत समझ न हो पर इन्हें यह बहुत रुचिकर लगता था | विज्ञान एवं धर्म के द्वंद्वों का भी इन्हें एहसास हो गया था | 9 साल की उम्र तक आते आते इन्हें एहसास हो गया था कि विज्ञान ही इनका कर्मक्षेत्र होगा | 4th क्लास में ही इन्होंने स्कूल में 4 साइंस के प्रोजेक्ट्स बनाये थे | 8th क्लास से ही इन्होंने विज्ञानं का गहन अध्ययन करना शुरू कर दिया था | अपने पिता से इन्होंने कैलकुलस एवं statistics सीखा | कॉलेज में इन्होंने फिजिक्स से graduate एवं honours किया | कुछ समय के लिए आपने कला संगीत व साहित्य में भी कोशिश की थी पर असफल रहे | इसके पश्चात इन्होंने Lawrence Berkeley Laboratory में हेनरी फ्रिस्च के साथ कंट्रोल इलेक्ट्रानिक्स में काम किया | महान वैज्ञानिक रिचर्ड फिन्मन को ये अपना हीरो मानते थे |

Cosmic Microwave Background विकिरण की उसी वक्त खोज हुई थी अतः ये उससे सम्बंधित एक प्रोजेक्ट से जुड़ गए | परन्तु काफी मेहनत के बाद भी इनका शोध सफल न हुआ | पर तब नासा ने इनके शोध पर ध्यान दिया और उसकी सहमति के बाद ये नासा से जुड़ गए | वहां ये Goddard Space Flight सेण्टर में वरिष्ठ खगोलशास्त्री है (astrophysicist) | इन्हें 2006 में जॉर्ज स्मूट के साथ COBE (COSMIC BACKGROUND EXPLORER) पर कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिला था | यह पहला प्रयोग था जिसमे ब्लैक बॉडी एवं ANISOTROPY को cosmic माइक्रोवेव रेडिएशन की मदद से निकला गया था | उनके इस प्रयोग से ब्रम्हांड की संरचना से सम्बंधित बिग बैंग theory को समझने में मदद मिली || 2007 में टाइम ने इन्हें विश्व के 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल किया था | जॉन बोस्लौग के साथ मिलकर इन्होंने The Very First Light नमक किताब भी लिखी है | स्पेस दूरसंचार पर भी इन्होंने किताब लिखी है | ओप्टिकल , इन्फ्रारेड एवं millimeter स्पेस telescopes के बारे में भी इनकी पुस्तके प्रकाशित हुई हैं | अपने कॉलेज के दिनों में ये बड़े ही घोटू अर्थात 4 पॉइंटर (4 points की स्केल पर) थे |

सुहेल सेठ
सीईओ : COUNSELLAGE
फिल्मों एवं रंगमंच के अभिनेता
व्यापार व प्रचार गुरु |

वस्तुतः वह दिल्ली स्थित Counsellage नामक विज्ञापन एवं व्यापार से जुड़ी कंपनी के **CEO** हैं पर इसके अलावा उन्होंने कुछ फिल्मों, नाटकों एवं टीवी पर भी काम किया है | सुहेल equus advertising के सीईओ भी हैं | | उनका व्यक्तित्व बहुत ही शानदार है एवं वे एक कुशल वक्ता भी हैं | सुहेल प्रसिद्द समाचार पत्र" **द टेलीग्राफ** " में भी स्तंभ लिखते हैं जिसमे वे पाठकों की निजी समस्याओं का समाधान करते हैं | यहाँ भी वे अपने चतुर एवं हास्यप्रद जवाबों के कारण काफी लोकप्रिय हैं | उन्होंने सत्यजित रे, मृणाल सेन एवं महेश भट्ट की फिल्मों में भी अभिनय किया है | उनकी हिन्दी फिल्मों में से **रोग** काफी चर्चा में आई थी |

अन्य उन्होंने बंगला फिल्मों में भी काम किया है 145 से अधिक नाटकों में वो अभिनय कर चुके हैं | साथ ही वो अखबारों के लिए भी लिखते हैं | इन सब के चलते वे देश की कुछ प्रमुख मीडिया प्रिय हस्तियों में से हो गए हैं जोकि हमेशा पेज 3 पर पाए जाते हैं | सन 1997 में उन्होंने अपनी विज्ञापन एजेन्सी की शुरुआत की थी | नाटकों में अभिनय उनका जूनून है एवं 100 से भी अधिक बार वे मंच पर आ चुके हैं | वे बिना किसी लाग लपेट के सीधी बात कहने के लिए जाने जाते हैं | इस वजह से इनके जितने दोस्त हैं उतने ही दुश्मन भी होंगे | हालाँकि ये इन सब बातो की परवाह नहीं करते| उनका ये मानना है कि हम भारतीय अपने आप को कुछ ज़्यादा ही गंभीरता से लेते हैं | हम सेक्स के बारे में बात करने से भी इतना कतराते हैं इन सब की कोई जरुरत नहीं है | अपने इन सब कथनों के कारण ये विवादों में भी रहे हैं |

S.P. कोठारी

विभागाध्यक्ष : इकोनोमिक्स फाइनेंस एंड accounting M.I.T .

I I M अहमदाबाद से MBA

विश्व के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुख को अपने बीच पाना निश्चित रूप से हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी | प्रोफ़ेसर कोठारी ने IIM अहमदाबाद से 1982 में M B A किया | प्रोफ़ेसर कोठारी 2007 में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने भारत के फायदे के लिए यह सुझाव दिया कि क्रिकेट के प्रति जूनून को देखते हुए यहाँ इस खेल का निजीकरण किया जाना चाहिए जिससे कि दुनिया यह देखे कि भारत क्या कर सकता है | और वास्तव में अगले ही साल IPL का जन्म हुआ | Capital market research in accounting," Journal of Accounting & Economics 2001. नाम से उनकी पुस्तक भी प्रकाशित हो चुकी है |'वे भारतीय अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ हैं | आर्थिक रिपोर्टिंग , अंतर्राष्ट्रीय accounting ,स्टॉक शेयर इत्यादि उनके परिचित विषय हैं | The Relation Between Earnings and Cash Flows," Journal of Accounting & Economics, 1998; "The Effect of International Institutional Factors on Properties of Accounting Earnings," Journal of Accounting & Economics 1998; ये सब भी उनकी कुछ प्रसिद्द किताबों के नाम हैं | उन्होने Vicarious Visions के बोर्ड ऑफ़ directors के सदस्य भी रहे हैं 96 से 2005 तक | इस शख्सियत का हमारे बीच आना सचमुच हमारे लिए गौरव की बात होगी |

....और भी

साथ ही अपोजी के दौरान पहली बार renew botox वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी जिसमें कि उर्जा के प्राकृतिक माध्यमो से रोबोट बनाना सिखाया जाएगा |

साथ ही autobotz में microcontroller सम्बन्धी रोबोट निर्माण की कार्यशाला भी होगी | अपोजी से पहले ही 20 से 22 फरवरी तक a.s.m.e. द्वारा आयोजित student leadership seminar भी कैम्पस में आयोजित होगा|

अपोजी के दौरान ही Andra Pradesh Forensic Science Laboratory की स्थापना करने वाले फोरेंसिक वैज्ञानिक डॉक्टर के . पी . सी . गाँधी की भी कार्यशाला आयोजित होगी | डॉक्टर गाँधी भारतीय पुलिस में भी कार्यरत रह चुके हैं | आजकल वे Crime Stoppers India फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं , साथ ही Truth फाउंडेशन (भारत की पहली निजी फोरेंसिक प्रयोगशाला) के निर्देशक भी हैं | उनसे हमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा |

अतः यह प्रत्यक्ष है की इस बार का अपोजी नई ऊँचाइयों को छूने के प्रयास में है | और यह कोशिश सफल होती हुई भी दिख रही है | अपोजी को पहला ISO 9001:2008 प्रमाणित भारतीय tech fest बनने का भी सौभाग्य मिला है | चेन्नई का शास्त्रा ISO 9001:2000 प्रमाणित है |

कैम्पस की सरगर्मियाँ ....

अपोजी के करीब 2 महीने पहले से ही उसकी हलचल महसूस होने लगी है | पिछले दिनों technophilia द्वारा robotronics की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया | काफी संख्या में बिट्सians ने इसमें हिस्सा लिया | technophilia के बारे में जानने के लिए हमने उनसे संपर्क किया |

हीरालाल सांगवी एवं कुनाल पंचामिया के उत्साह एवं प्रयासों से जुलाई 2005 में यह संस्था अस्तित्व में आई | इसका मकसद देश भर में robotronics के प्रति ज्ञान एवं रूचि को बढ़ाना है | पहले तो इन्होनें अपने कॉलेज (डी.जे. संघवी) में ही कार्यशालाओ का आयोजन किया फ़िर वहां से उत्साहजनक परिणाम मिलने के बाद देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अपने कार्यक्रम किए | बिट्स पिलानी में यह इनका पहला अवसर था | इनका कहना था कि यहाँ की जनता का उत्साह देखते ही बनता था एवं उनका उर्जा स्तर भी काफी था | वे उनके द्वारा पूछे जाने वाले सवालों से भी संतुष्ट दिखे खास तौर से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की उन्होंने तारीफ की | इस दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्यतः विषय की मूलभूत बातें एवं नए विचारो को प्रोत्साहित किय गया |

क्या दो दिनों में बिना किसी पूर्व ज्ञान के इस विषय को समझा जा सकता है ?? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने कार्यशाला को इस तरह से बनाया गया है कि 2 दिन में इस विषय की मूलभूत बातें आपकी समझ में आ जाएँगी आप अपन एवं आगे रूचि के अनुसार कार्य कर सकते हैं | अपने बिट्स पिलानी के अनुभव को technophilia की टीम ने शानदार एवं यादगार बताया |

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ mechanical engineers ने अक्टूबर में बिट्स में अपनी विद्यार्थी शाखा का नींव रखी थी | इस संस्था की स्थापना अमेरिका में हुई थी एवं उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में इसकी शाखाएँ हैं | यह मुख्यतः विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाती है |

asme बिट्स ने पिछले सेम में वाटर रॉकेट जैसे इवेंट्स का आयोजन करवाया था | asme से जुड़ने के किए mechanical का छात्र होना कोई बाध्यता नही है | इस समय इसके सदस्यों का संख्या 45 है |

ASME द्वारा बिट्स में राष्ट्रीय स्तर के इवेंट **INVENZIONE** का आयोजन हो रहा है | 20 से 22 फरवरी तक होने वाला यह इवेंट अपोजी के पहले ही उस जैसा माहौल बना देगा | इस प्रतियोगिता में IIT दिल्ली, रूरकी के अतिरिक्त कई प्रतिष्टित कॉलेज भी हिस्सा लेंगे | प्रतियोगिता के इस राष्ट्रीय चरण में जीतने वाली टीम ताइवान 9 से 11 अप्रैल तक होने वाले चरण में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी | यह दौरान कुल 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा | पहले चरण में नासा द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार एक रोबोट तैयार करना होगा जोकि नासा के मंगल अभियान में सहायक बने | इसके अतिरिक्त शोधपत्र , पोस्टर , CAD डिजाईन वेब पेज डिजाईन की भी प्रतियोगिताएं होंगी | mechanica क्विज भी एक प्रमुख आकर्षण होगी जिसमें कल के engineers की तकनीकी ज्ञान की परीक्षा होगी | इसी दौरान बिट्स पिलानी को भारत में पहली बार आयोजित हो रहे **student leadership seminar** का आयोजन करने का भी गौरव प्राप्त होगा | विभिन्न स्थानों से आए विद्यार्थियों के लिए यह अपनी नेतृत्व क्षमता एवं प्रबंधन कौशल को परखने तथा asme का हिस्सा बनने का अच्छा मौका होगा | seminar पहली बार भारत में आयोजित हो रहा है |

वर्कशॉप

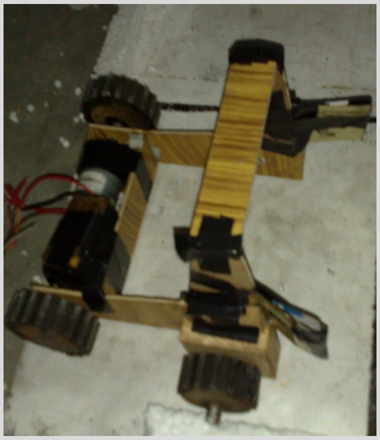

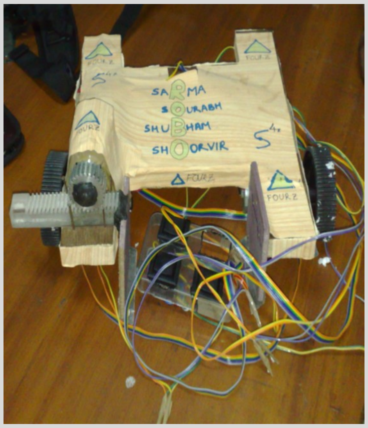

जैसे - जैसे अपोजी नजदीक आ रहा हैं वैसे वैसे परिसर में चल रहे घटनाक्रमों में भी तेज़ी आ गई हैं तथा सभी संघ जोर-शोर से अपोजी के काम में जूट गए हैं |

इसी ओर एक प्रयास में instrumentation द्वारा 24-25 को लैब व्यू के वर्कशॉप का आयोजन किया गया |यह कार्यशाला नेशनल instruments , बंगलोर के तकनीकी विश्लेषक विशाल बर्फी वाला के द्वारा ली गई , जिन्होंने गत वर्ष ही बिट्स से अपनी पढ़ाई पूरी की थी तथा वे controlz विभाग के stuccan भी रह चुके हैं | उदघाटन के दौरान डाक्टर एल के महेश्वरी , प्राध्यापक रघुरामा व अन्य संकाय सदस्य भी मौजूद थे डाक्टर एल के महेश्वरी छात्रों की इस पहल से काफी खुश थे तथा उन्होंने कहा कि यदि छात्र माप तकनीकी की पढ़ाई को लैब व्यू की सहायता से कर सकें तो इस कार्यशाला का उद्देश्य पूर्ण हो जाएगा |इस सॉफ्टवेर के बारे में बताते हुआ समन्वयक मयंक ने बताया की नेशनल instruments वाले इस सॉफ्टवेर को सिखाने के 80000 रुपए लेते हैं तथा यह 5 दिनों का पाठ्यक्रम होता हैं , किंतु यहाँ छात्रों से मात्र 50 रुपए लिए गए |लैब व्यू की सहायता से जटिल से जटिल सवाल भी काफी सरलता से हल किए जा सकते हैं | कार्यशाला समाप्ति के बाद छात्र व आयोजक काफी संतुष्ट दिखे |

वहीं mechanical व instrumentation assoc द्वारा मिल के रोबोटिका का आयोजन किया गया |इसका मुख्य उद्देश्य प्रथम वर्षीय छात्रों को तकनीकी ज्ञान व प्रयोगशाला से अवगत कराना था |17 तारीख को सभी टीमों ने अपने प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत किया तथा 19 तारीख को कुल 8 टीमे अन्तिम दौर में अपनी जगह बनने में सफल रही |प्रथम पुरस्कार trail blazers नामक टीम को मिला , जिसमें द्वितीय वर्षीय छात्र सचिन तथा प्रथम वर्षीय स्निग्धा थी और उन्होंने पुरूस्कार स्वरुप 1200 रुपए भी जीते | यह इवेंट स्पार्क्स (CEL) द्वारा प्रायोजित था |

विवेकानंद युवा संकल्प समारोह

उनसठवें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'निर्माण' द्वारा आयोजित "विवेकानंद युवा संकल्प" समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ | LTC में सुबह 10 बजे आरंभ हुए इस समारोह में पूरा हॉल दर्शकों से भरा रहा | मुख्य अतिथि कुलपति L.K. महेश्वरी व अन्य गणमान्य लोगों की उपस्तिथि में राम-कृष्ण मिशन जयपुर के सचिव स्वामी निखिल आत्मानंद जी ने स्वामी विवेकानंद के पूरे जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला | तत्पश्चात कुलपति महोदय ने छात्रों को जीवन पद्धति समझायी| उन्होंने मन,वचन,कर्म के महत्व को समझाते हुए छात्रों को इन्हे अपने व्यक्तित्व में ढालने की सलाह दी |वक्ताओं द्वारा जीवन के कई पहलुओं पर प्रकाश डाला गया | ध्यान की शक्ति और शिक्षा का उद्देश्य समझने पर ही व्यक्तित्व का विकास हो सकता है |नीतिशास्त्र और सद्व्यवहार के महत्व को समझाते हुए मानवता के हित में कर्म और त्याग करने की सलाह दी गई | कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों को समझाना था |

आपसे मुख्तलिफ ....

CAT 2008 में बिटसियन्स ने अपना परचम लहराया है | 40 से भी अधिक बिटसियन्स को IIMs से calls आई हैं | उन्ही में से एक हैं आश्विन अय्यर जिन्हें 6 IIMs से calls आई हैं | पेश है उनसे की गई बातचीत के कुछ प्रमुख अंश :-

नाम:-अश्विन अय्यर ,योग्यता:-cat%ile:-99.9 (6 IIM calls) , पहचान:-2005A8PS152

मेरे ख्याल से इतनी बातें काफी होंगी,आपके लिए इस शख्स को जानने के लिए| आश्विन अय्यर ने बताया कि उन्होंने CAT की तैयारी 3-2(अर्थात् 3rd year के 2nd sem) में जनवरी के अंत से शुरु की और पिलानी में ही चलने वाली IMS के जरिये तैयारी की |पढने के लिए IMS स्टडी मैटेरिएल और अपने PS के दौरान TIME GROUP का स्टडी मैटेरिएल के अलावा और कुछ विशेष का इस्तेमाल नहीं किया|उन्होंने तैयारी शुरु करने का सही समय 3rd year को ही माना और बताया की वो सप्ताह के अंत के दो दिन ही CAT पढ़ाई करते थे|तैयारी के विषय में जोर देते हुए कहा की बिट्सian जनता के लिए MATHS और DI निकलना कोई बड़ी बात होती नहीं है,यह उनके पढ़ाई तथा दिमाग के ऊँचे स्तर के कारण बस आसान होता है,उन्होंने ENGLISH के लिय रीडिंग तथा व्याकरण पर जोर दिया|यह पूछने पर कि क्या आप प्लेसमेंट पर बैठ रहे हैं,तो उन्होंने जवाब दिया कि वो प्लेसमेंट के जरिये कम से कम 1 रास्ता सेफ कर लेना चाहते हैं| MS/MBA के बीच चुनाव करने का सही समय वो CDC के समय को मानते हैं,क्योंकि तभी पता चलता है कि आप इंजीनियरिंग के लिए बने हैं या नहीं तथा आपसे MS होगा या नहीं |अपने GD के तैयारी के विषय में कुछ विशेष नहीं बताया जब हम उनसे मिलने पहुंचे तब भी वो LAN पर गेम खेल रहे थे | CAT Prep. और बिट्स के बीच तालमेल का राज उन्होंने weekends तथा time management बताया |

प्राप्तांक: MATHS- 58/100, GI- 52/100, ENGLISH- 96/160

बस यूँ ही ..

प्रिय साथियों ...

एक नया सेमेस्टर शुरू हो चुका है ..पहला महीना ख़त्म होने को आ गया है. ..यानि आराम के दिन अब ख़त्म होने को हैं ..टेस्ट्स जो आने वाले हैं ..जिन सभी ने अपने आप से वादे किए होंगे (मुझे अच्छे से पढ़ाई करनी है ..मुझे सारी क्लासे लगानी हैं) वे यथार्थ के धरातल पे आ चुके होंगे और जो नही आए हैं ..वे प्रशंसनीय हैं एवं दूसरो को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए की किस प्रकार से असंभव को सम्भव किया जाए | :)

असंभव को सम्भव ... शायद बीता हुआ वर्ष कुछ यही कहता सा चला गया | क्या कभी किसी ने यह सोचा भी होगा की श्वेतो के देश में एक अश्वेत इंसान वो भी इस्लाम से जुडा हुआ , सर्वोच्च पद पर आसीन होगा ?? बराक ओबामा की विश्व के सर्वशक्तिशाली देश के राष्ट्रपति बनने की यात्रा सचमुच एक मिसाल है | और इसी से पता चलता है की अमेरिका आज विश्व का प्रमुख क्यों है .... हमें भी उनसे धार्मिक सदभावना के इस भाव को आत्मसात करना चाहिए और उत्तर दक्षिण अदि विभाजनो को भूल कर सिर्फ़ श्रेष्ट का साथ देना चाहिए |

सोचा तो किसी ने यह भी न होगा की भारत की आर्थिक राजधानी के ह्रदय पर इतनी आसानी से हमला किया जा सकेगा | ताज महल एवं अन्य होटलों तथा गेटवे ऑफ़ इंडिया पर चले क्रूर घटनाक्रम को देखकर तो मानो मानवता से विश्वास ही उठ जाता .. पर हमारे वीर जवानों ने एक बार फ़िर अतुल्य शौर्य का परिचय देते हुए कई बेकुसूर प्राणों की रक्षा की . उसके लिए उन्हें बार बार सलाम है | फ़िर भी जो क्षति हुई वह तो काफी दुखद है |

26/11 के पश्चात् सभी ने खुले स्वर में हमारी सरकार नेताओ समाज सभी की आलोचना की , जिम्मेदार ठहराया .. पर क्या किसी ने कभी ख़ुद के अन्दर झांक कर देखा ?? शायद पूरा भारत यही कहेगा की हम करना बहुत कुछ चाहते हैं ..पर क्या कर सकते हैं ?? कर सकते हैं ! बहुत कुछ ! अपने अन्दर की बुराई को देखिये ..हम..जो छोटी छोटी बातो पर गुस्सा करते हैं ..अपने दोस्तों ..अपने परिवार वालो से लड़ते हैं ..दिल में दूसरे के प्रति गुस्सा रखते हैं ..दूसरे की तरक्की से परेशान होते हैं ...यही सब बुराइयाँ तो हम अपने अन्दर लिए घूमते हैं....जब तक हम आपस में ही एक मजबूत परिवार नही होंगे ..हम कैसे दूसरो से लड़ने की सोच सकते हैं ?? सिर्फ़ मोमबत्तियां जलाने या काले कपड़े पहनने से कुछ नही होगा.. ज़रूरत है अपने अन्दर की बुराई को मिटाने की ..क्योंकि यही तो मिलकर घृणित रूप धारण कर सामने आती हैं | हम जो कल समाज के एक महत्वपूर्ण   अंग बनने वाले हैं अभी से एक स्वस्थ समाज की नींव रख देनी चाहिए वरना बहुत देर हो जाएगी |

आजकल सभी के माथे पर चिंता की लकीरों के रूप में सामने आती है आर्थिक मंदी ...जब समूचा विश्व इससे जूझ रहा हो ..तब हम भी इससे अछूते कैसे रह सकते हैं ... प्लेसमेंट होगा या नही ..क्या कहा जाए ..बस जो भी हो याद रखिये की हमें अपना सर्वश्रेष्ट करना है एवं पूरी सच्चाई के साथ ..बाकि हम बिट्सians किसी से कम थोड़े ही न हैं |

अपोजी की तैयारिया तो पिछले ही सेम शुरू हो गई थी पर अब उसकी तस्वीर   स्पष्ट होती हुई दिख रही है | यह निश्चित रूप से हमारे लिए गर्व का विषय है की इतनी महत्वपूर्ण हस्तिया हमारे बीच होंगी ...एवं invenzione का लीडरशिप सेमिनार जोकि पहली बार भारत में हो रहा है ..हम ही उसके मेजबान होंगे | सो आप भी अपोजी की इस प्रगति में सहयोगी बनिए एवं अपने प्रोजेक्ट्स में पूरे दिल एवं दिमाग से काम करिए ताकि सारा भारत देख ले कि बिट्स पिलानी में कितना दम है !!!

बस तो फ़िर बार बार बदलते पिलानी के मौसम कि तरह आप भी अपने टेस्ट्स tutes प्रोजेक्ट सभी में अपने आपको लगाये रखिये . .
ऊपर कही गई बातो पर ध्यान ज़रूर दीजियेगा और आपस में प्यार व सदभाव से रहिये...
बाकी अगले अंक में... तब तक.. हम हैं राही   प्यार के ..फ़िर मिलेंगे चलते चलते !!!!!!!

लोकेश राज

ग्रीन यूनिवर्सिटी

पिछले सेमेस्टर हमारे gen sec रवि तेजा ने कैम्पस को हरा भरा एवं प्रकृति से संतुलित बनाने के लिए ग्रीन बिट्स पिलानी नाम का अभियान छेड़ा था | उसी के बारे में हमने उनसे बात की | रवि ने बताया कि पिछले सेम के दोनों उत्सवों यानि ओएसिस एवं बॉसम के दौरान बिजली को सावधानीपूर्वक खर्च किया गया एवं कैम्पस में होने वाली बिजली की खपत एवं प्रदूषण का नाप तोल किया गया है एवं इन्हे ध्यान में रख कर आगे के कार्यक्रमों में पर्यावरण का ध्यान रखा जाएगा | कार्बन footprints खरीदने के लिए कुछ कंपनियों से बात करने का भी इरादा है | उनके कार्यक्रमों में यह भी था कि बिट्स में सौर्य उर्जा से चलने वाली प्रकाश स्रोतों का इस्तेमाल हो पर आर्थिक कारणों से यह अभी लागू नही हो पाया | रवि ने कहा कि वे यह दिखाना चाहते हैं की बिट्स पिलानी उर्जा की बचत के बारे में जागरूक है | प्रकृति के प्रति अपनी जागरूकता को वोह प्रर्दशित करना चाहते हैं | उन्होंने बताया की हम देश के पहले प्रमुख कॉलेज होंगे जिसने पर्यावरण रक्षा की दिशा में कदम उठाये हैं | उन्होंने आम जनता से भी कहा की कोई भी अनावश्यक रूप से बिजली न प्रयोग करें | जैसे कि कमरे से बाहर जाते वक्त lights बंद करना , अपने laptops को काम न होने पर बंद करना इत्यादि | उन्होंने तोह यह भी कहा की हमें गूगल की जगह blackle का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि गूगल से बिजलीकी खपत ज्यादा होती है | रवि ने बताया कि यूनियन ने तो कैम्पस में बायो गैस प्लांट के बारे में भी सोचा है | इस मामले में उन्होंने अपना प्रेरणास्रोत हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को बताया | उसी से प्रेरित होकर यहाँ भी उन्होंने ग्रीन यूनिवर्सिटी सेल की स्थापना की है | साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि ग्रीन यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पूरे उत्साह से हिस्सा लेने की अपील की | विजेता को नकद पुरस्कार के साथ chancellor के हाथों से प्रमाणपत्र भी मिलेगा | रवि ने कहा कि ग्रीन यूनिवर्सिटी की यह लहर अपोजी के दौरान भी पूरे खुमार से चलती रहेगी |

वाणी कैम्पस की अपनी हिन्दी पत्रिका है | हम अपने पाठकों से वाणी के लिए कृतियाँ आमंत्रित करते हैं | सर्वश्रेष्ठ रचनायें सम्मानित होंगी आप अपने द्वारा रचित कहानियाँ , कविताएँ , लेख इत्यादि हमसे बांटने के लिए या तो हमें अंग्रेज़ी लिपि में टाइप की हुई हिन्दी रचनायें vaani.bits@gmail.com पर भेज सकते हैं या फिर वाणी टीम के इन सदस्यों को दें | VK 235, ML 231 , MR 3222, AK 111, VY 210, SK 218, GN 106 , BD 277.

संपादक : : लोकेश राज , शैलेश झा

सह संपादक : : प्रेम शंकर

आभार : : गणेश कुमार , ऋत्विक राज , हर्ष राज , सौरभ कश्यप